संस्थान के पास वाक्यार्थ/शास्त्रार्थ-सभा, शलाका-परीक्षा, शास्त्र-परीक्षा (मौखिक), शास्त्र-स्पर्धा, संस्कृत-श्लोक/पद्य/कविता लेखन के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने की व्यवस्था है।

2.6.4 The Institution has mechanism to evaluate the performance of students through the vakyartha/shastrartha-Sabhas, Shalaka-Pareeksha, Shastra-Pareeksha (Oral), Shastra-spardha, Writing Sanskrit-Slokas/Padya/Poetry

यह विश्वविद्यालय प्राचीन परम्परा और संबन्धित साहित्य का संरक्षक है। इसलिए, विश्वविद्यालय संस्कृत साहित्य के संरक्षण और उसमें छिपे अर्थों के स्पष्टीकरण के लिए सभी प्रक्रियाओं का विधिवत पालन करता है। विश्वविद्यालय में वाक्यार्थ सभा, शास्त्रार्थ सभा श्लाका परीक्षा, शास्त्र परीक्षा, शास्त्र प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक निर्माण, एवं संस्कृत के माध्यम से विभागीय स्तर, संकाय स्तर, विश्वविद्यालय स्तर, राज्य स्तर, एवं राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों के प्रदर्शन के मूल्यांकन की व्यवस्था है। काव्य लेखन जैसा -

वाक्यार्थसभा-

धर्मग्रंथ की पक्तियों और वाक्यांशों के छिपे अर्थ को उजागर करने के लिए विश्वविद्यालय में चल रही कई परियोजनाओं में से एक है। विभागीय स्तर पर प्रत्येक सप्ताह वाक् वर्धिनी परिषद का आयोजन किया जाता है। इस वाग्वर्धिनी परिषद में विद्यार्थी किसी विशेष विषय पर व्याख्यान देते हैं। व्याख्यान के दौरान या उसके अंत में उपस्थित शिक्षक सम्बन्धित विषय पर प्रश्न पूछते हैं, और यदि छात्र उत्तर देने में असमर्थ होते हैं तो वे प्रश्न का समाधान करते हैं और छात्रों की बुद्धि को बढ़ातें हैं। वाक्यार्थसभा विश्वविद्यालय स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

इसमें विश्वविद्यालय के छात्र तथा आचार्य भाग ग्रहण करते हैं वहाँ शास्त्र के किसी वाक्य के सामान्य अर्थ को बताकर फिर वाक्य का निगूढ अर्थ बताया जाता है पहली अन्ताराष्ट्रिय वाक्यार्थ सभा भी विश्वविद्यालय में आयोजित की थी।

शास्त्रार्थसभा –

विश्वविद्यालय में छात्रों तथा आचार्यों के हित के लिए शास्त्रार्थ सभा की भी व्यवस्था है। वहाँ शास्त्रार्थ में छात्र और आचार्य उत्साहित होकर भाग ग्रहण करते हैं। सन् 2019 में विश्वविद्यालय ने अखिल- भारतीय शास्त्रार्थसम्मेलन का आयोजन किया था। उसमें सम्पूर्ण भारत से लगभग पचास विद्वानों ने विभिन्न विषयों में शास्त्रार्थ किया। इस शास्त्रार्थसभा में प्रकरण विशिष्ट को आश्रित करके चर्चा, संवाद तथा वाद-विवाद होते हैं।

शलाका परीक्षा –

छात्रों की बुद्धि के विकास के लिए इस विश्वविद्यालय में यथावसर का शलाका परीक्षा का भी आयोजन होता है। वहाँ भी छात्र उत्साह से भाग ग्रहण करके प्रोत्साहन तथा पुरस्कार प्राप्त करते हैं। इस प्रतियोगिता में किसी शास्त्र तथा शास्त्र प्रकरण विशेष को आश्रित करके परीक्षा आयोजित की जाती हैं।

इसमें निर्धारित शास्त्रीय पुस्तक में धातु से निर्मित शलाका दी जाती है। पुस्तक में जहां शलाका प्रवेश करती है उसी पृष्ट से प्रश्न करने वाले प्रश्न करते है । उसी प्रकार आगे भी क्रम चलता है

शास्त्रपरीक्षा-

विश्वविद्यालय ने छात्रों की बुद्धि के विकास के लिए शास्त्र परीक्षा का आयोजन किया जाता है। उस शास्त्र परीक्षा में छात्र किसी विषय के ग्रन्थ का स्मरण तथा अर्थबोधन करते है फिर उस ग्रन्थ से उस विषय को जानने वाले प्रश्न करते है । अतः शास्त्र संरक्षण में इस शास्त्र परीक्षा का अत्यधिक योगदान है । दक्षिण भारत में आयोज्यमान तेनाली परीक्षा में भी इस विश्वविद्यालय के छात्रों नें उत्साहपूर्वक भाग ग्रहण किया तथा करते भी है ।

शास्त्रस्पर्द्धा –

माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी भी 'परीक्षा पे चर्चा' इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुत बार बोल चुके हैं कि अच्छी और सकारात्मिका वाली स्पर्द्धा सदा ही हमारे लिए लाभप्रद होती है। अतः यह विश्वविद्यालय भी यथा समय शास्त्रस्पर्द्धा को आयोजित करता है।

वाक्यार्थसभा, शास्त्रार्थसभा, शलाकापरीक्षा, शास्त्र- परीक्षा इत्यादि भाग भी शास्त्रस्पर्धा के अन्तर्गत आते हैं। इसलिए कक्षास्तर तथा बुद्धिस्तर के आधार पर विभिन्न शास्त्रों को आश्रित करके आयोजित स्पर्धा शास्त्रस्पर्धा होती है जहाँ यहाँ के छात्र अत्यधिक रुचि से भाग ग्रहण कर के सफलता प्राप्त करते है

संस्कृत श्लोक / पद्य / कवितालेखन -

संस्कृत में विद्यमान काव्यग्रन्थों में प्रचलित विषयों के रसास्वाद के लिए किसी विषय को आश्रित करके मनोरञ्जन प्राप्त करने के लिए संस्कृत के श्लोक के माध्यम से काव्य संगोष्ठियों का भी आयोजन विश्वविद्यालय मे होता है। संस्कृतसप्ताह के अन्तर्गत भी संस्कृत श्लोकान्त्याक्षरी का आयोजन यहाँ विश्वविद्यालय मे होता है । पं. विद्यानिवास मिश्र जी की पुण्यतिथि पर संस्कृत कवि संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय मे हुआ। ऐसे ही इस विश्वविद्यालय ने अनेकों काव्यसम्मेलन होते हैं। छात्रों के लिए भी इन संगोष्ठियों में

अपनी काव्य कुशलता प्रकट करने के लिए पर्याप्त अवसर होता है। इस विश्वविद्यालय के छात्र संस्कृत काव्य कर्म में तथा सस्कृत कविता लेखन में दक्ष हों इसके लिए अध्यापकों के द्वारा संस्कृत श्लोक निर्माण तथा संस्कृत कविता लेखन का प्रशिक्षण दिया जाता है । संस्कृत के साथ ही अन्य भाषाओं मे भी यहाँ छात्रों की लेखनी काव्य करने लिए तत्पर रहती है। इस विश्वविद्यालय का छात्र दीपक वत्स को " मैं बिहार हूँ " इस काव्य – पुस्तक के लिए भारत सरकार मंत्रालय ने पुरस्कृत भी किया है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 'मन की बात' इस कार्यक्रम के अन्तर्गत इस छात्र की चर्चा भी की तथा इस छात्र को चार लाख रुपयों से सम्मानित भी किया ।